

## मई 2016 की लोकप्रिय कहानियाँ

“प्रिय अन्तर्वसिना पाठको मई महीने में प्रकाशित कहानियों में से पाठकों की पसंद की पांच कहानियाँ आपके समक्ष प्रस्तुत हैं... कॉलेज की हंसमुख और सुन्दर सहपाठिनी संग प्रेम प्रसंग ... [\[Continue Reading\]](#) ...”

Story By: guruji (guruji)

Posted: सोमवार, जून 6th, 2016

Categories: [सबसे लोकप्रिय कहानियाँ](#)

Online version: [मई 2016 की लोकप्रिय कहानियाँ](#)

# मई 2016 की लोकप्रिय कहानियाँ

प्रिय अन्तर्वासना पाठको

मई महीने में प्रकाशित कहानियों में से पाठकों की पसंद की पांच कहानियां आपके समक्ष प्रस्तुत हैं...

## कॉलेज की हंसमुख और सुन्दर सहपाठिनी संग प्रेम प्रसंग

यह कहानी मेरे इंजीनियरिंग महाविद्यालय की सहपाठिनी सिद्धि के साथ दोस्ती की है। सिद्धि सूरत के पास नवसारी में रहने वाले सम्पन्न परिवार की गुजराती लड़की थी, वह दिखने में सुन्दर, गोरी थी, बहुत ही हसमुख, जिंदादिल लड़की थी।

कक्षा में हमारी बातचीत पहले सेमेस्टर से थी, हम अच्छे दोस्त बन गए थे, वह सभी विषयों (सेक्स भी) पर मुझसे बात करती। महाविद्यालय में उसका कोई बॉयफ्रेंड नहीं था, हम एक दूसरे के प्रति आकर्षित थे, पर प्यार जैसा कुछ ना था।

बात रक्षा बंधन के समय की है, बी.इ. का पांचवा सेमेस्टर था, पड़ोस में पहचान के एक भैया को सूरत में नौकरी मिली थी, उनको कुछ सामान ले कर वहाँ जाना था, साथ में उन्होंने मुझे उसी हफ्ते शनिवार को चलने को कहा।

हम ट्रेन से रविवार सुबह सूरत पहुंचे, स्टेशन से 'पार्ले पॉइंट' के पास ऑफिस

फ्लैट गए, वहाँ पर सब कुछ जमाने के बाद मैंने सिद्धि को फ़ोन लगाया। वो अचंभित थी कि मैं सूरत में था। हालचाल जानने के बाद मैंने उसको मिलने के लिए सूरत आने को कहा। उसने बताया कि अगले दिन सोमवार को 10-11 के बीच वो स्टेशन पहुंचेगी।

मैंने भैया को सिद्धि के आने का बता दिया था। उनको कोई परेशानी नहीं थी, वैसे भी फ्लैट वो शाम के 6 बजे के बाद ही आने वाले थे।

सोमवार को भैया के ऑफिस निकलने के बाद मैं ऑटो पकड़ स्टेशन आ गया। दस बजे थे, सिद्धि के आने में बीस मिनट थे, तब तक मैं पैदल ही सूरत स्टेशन के आस पास चक्कर लगाने लगा।

ट्रेन आते ही उसने मुझे फ़ोन किया, हम औपचारिक तरीके से ही मिले, हाथ मिलाते हुए मैंने कहा- माफ़ करना, तुम्हें तकलीफ़ दी यहाँ बुलाने की।

उसने जवाब दिया- तुमने अचंभित कर दिया यहाँ आकर... और माफ़ी क्यों? मैं तुम्हारे उधर आऊँ, तो क्या मेहमान नवाजी नहीं करोगे? मैंने कहा- बिल्कुल करूँगा, फ़िलहाल, फ्लैट या कहीं घूमने जाने से पहले, चलो कुछ खाया जाये, नाश्ता नहीं किया।

सिद्धि ने पूछा- कहाँ ले जाओगे?

मैंने जवाब दिया- यहाँ का कुछ नहीं जनता, बस फ्लैट के पास एक रेस्टोरेंट देखा है।

ऑटो कर हम वापस पार्ले पॉइंट आ गए, वहाँ कॉफ़ी कल्चर रेस्टोरेंट में कुछ खाने और कॉफ़ी का आर्डर देने के बाद मैंने सिद्धि से कहा- मुझे सूरत घूमने

का कुछ खास मन नहीं है, मैंने तुम्हें यहाँ बुलाया ताकि तुम्हारे साथ कुछ समय बिता सकूँ।

सिद्धि ने पूछा- क्यों भई, क्या इरादा है ? और कैसे समय बिताना चाहते हो ? हमारी नज़रें मिली, और वो मुस्कुराने लगी।

मैंने आँख मारते हुए कहा- बस तुम्हारे होठों की लाली चुरानी है।

पूरी कहानी यहाँ पढ़िए...

## वो सात दिन फूफाजी के साथ

मेरा नाम तारा है.. मेरी उम्र 43 साल है.. और मैं तीन बच्चों की माँ हूँ। मेरे पति रेलवे में काम करते हैं, उनकी उम्र 49 साल है। वो पिछले 3 साल से ओड़िसा में हैं।

मैं अपने जीवन काल में अब तक 4 लोगों के साथ सम्भोग कर चुकी हूँ। शादी के 3 साल के बाद ही मेरे और मेरे पति के बीच रतिक्रिया में बहुत बदलाव आ गया था। मैं उन दिनों जवान तो थी ही और मेरी कामेक्षा भी अधिक हो गई थी.. क्योंकि एक बार सम्भोग का स्वाद चख लेने के बाद चूत की चुदने की चाहत बढ़ जाती है।

मेरी हालत भी ऐसी ही हो गई।

पति की अरुचि के कारण मैंने हस्तमैथुन की आदत लगा ली। फिर जब मुझे मौका मिला तो मैंने दूसरों से सम्भोग कर लिया।

बात 5 साल पहले की है। मेरे पति के फूफ़ा जी की बीवी यानि बुआ जी की तबियत बहुत खराब थी और उनके घर कोई नहीं था.. तो मेरे पति ने मुझे उनके घर जाने को कहा। मैं अपने छोटे बच्चे के साथ वहाँ चली गई, उस वक्त मेरा बेटा 15 महीने का था।

मैं बुआ जी की देखभाल में लग गई। घर में बस हम 4 लोग ही थे, मैं.. मेरा बेटा और वो दोनों।

एक दिन सुबह बुआ जी की तबियत ज्यादा ही खराब हो गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा। उनकी बच्चेदानी में घाव हो जाने से इन्फेक्शन बढ़ गया था।

दिन में तो मैं उनके साथ रहती.. पर शाम को वापस घर आ जाती, फूफाजी के साथ ही शाम का खाना खाते और फिर बातें करते और फिर अपने-अपने कमरे में सोने चले जाते।

एक रात मैं जब पेशाब करने बाहर गई तो मैंने फूफाजी के कमरे के दरवाजा खुला देखा और उसमें से रोशनी आती देखी। मैंने सोचा कि शायद फूफाजी को कोई परेशानी होगी.. इसलिए अन्दर उनसे पूछने चली गई।

जब मैंने अन्दर देखा.. तो मेरे होश ही उड़ गए। मैंने देखा कि वे अपनी आँखें बन्द किए अपने लिंग को जोर-जोर से हिला रहे

हैं।

यह नजारा देखते ही मैं वापस अपने कमरे की ओर दौड़ पड़ी। मैं सोने की कोशिश करने लगी.. पर मुझे नींद ही नहीं आ रही थी, मेरे दिमाग में बस उनके विशाल लिंग की ही छवि आ रही थी।

मुझे भी चुदास की गर्मी महसूस होने लगी.. और मेरे हाथ खुद व खुद मेरी बुर पर चली गए।

करीब 5 मिनट ही हुए होंगे कि मैंने किसी के अन्दर आने की आहट सुनी।

पूरी कहानी यहाँ पढ़िए...

## यौनसुख से वंचित पाठिका से बने शारीरिक सम्बन्ध -1

प्रिय पाठको, आप सब को मेरा प्यार भरा नमस्कार !

मेरी कहानी तुझ को भुला ना पाऊँगा को आप सब लोगों ने बहुत सराहा और वो शायद उस महीने की सबसे लोकप्रिय कहानियों में से एक रही।

बहुत सारे मेल और फ़ेसबुक फ़्रेंड रिक्वेस्ट भी आई उनमें से बहुत सारे लोग मेरे नेट फ़्रेंड बन भी गये।

उस कहानी को एक पाठिका मंजरी (बदला हुआ नाम) ने पढ़ा जो कि वसुंधरा में रहती हैं, उनका मेरे पास मेल आया तो मैंने औपचारिकता वश उनके मेल

का जवाब भी दिया और कहानी की तारीफ के लिए धन्यवाद भी दिया।  
पर वो मुझे लगातार मेल करती रही परन्तु मैं उन्हें लगातार जवाब नहीं दे रहा था।

और एक दिन उन्होंने मुझे मेल करके कहा- दलबीर जी, आपकी कहानियाँ काल्पनिक होती हैं ना ?  
मैंने उन्हें जवाब दिया- नहीं मंजरी जी, ऐसी बात नहीं है, पर कहानी को कलात्मक रूप देने के लिए कहानी का कुछ मेकअप करना पड़ता है।

इस पर उनका जवाब आया- अगर ऐसा है तो आप मुझे हर बार जवाब क्यों नहीं देते ?

अब इस बात का कोई खास जवाब मेरे पास था भी नहीं क्योंकि एक तो अपनी क्लिनिक में मैंने जनवरी में एक लॅबोरेटरी खोली है जिस कारण से काम का बोझ बढ़ गया है तो यही बात मैंने उनको मेल में बता दी।

तो उसका जवाब आया- कभी तो टाइम होता होगा आपके पास ?

मैंने उनसे कहा- आप यह बताइए कि मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ ?

तो उनका जवाब आया- क्या आप याहू मेसेन्जर पर आ सकते हैं ?

तो मैंने उस दिन मेल का जवाब नहीं दिया और दो दिन बाद मैंने जब अपना मेल बॉक्स खोला तो पाया कि उनकी एक और मेल आई है, और यह मेल अभी कुछ देर पहले ही डिलीवर हुई थी, इसमें मंजरी ने कहा था कि उसने मुझे Y/M पर रिक्वेस्ट भेजी है और वो मुझसे चैटिंग करना चाहती है।

मैंने अपने याहू मेसेन्जर में लॉग इन किया तो वहाँ पर मंजरी की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई हुई थी।

मैंने वो रिक्वेस्ट एक्सेप्ट कर ली तो उसका तुरंत मैसेज आया- हाय !  
मैंने भी रिप्लाई किया- हैलो !

उसने पूछा- आप कैसे हैं दलबीर जी ?  
मैंने जवाब दिया- ठीक हूँ !

और कुछ औपचारिक बातें करने के बाद मैंने पूछा- हाँ मंजरी जी, अब बताइए  
क्या कहना चाहती हैं आप ?तो उसने मुझे कहा- क्या हम वीडियो चैट कर  
सकते हैं ?

मेरे पास वेब कैम नहीं था इसलिए मैंने उसे इसके लिए मना कर दिया ।

इस पर वो बोली- क्या मैं आपकी तस्वीर देख सकती हूँ ?

मेरे कंप्यूटर में मेरी कुछ तस्वीरें पड़ी हुई थीं पर मैंने उसे कहा- पहले आप  
दिखाइए ?

उसने तुरंत फोटो शेयरिंग खोला और अपनी कुछ तस्वीरें मुझे भेज दीं, वो  
सुंदर थी, बड़ी बड़ी आँखें तीखा नाक, अंडाकार चेहरा...

एक पिक्चर में वो मुस्कुरा रही थी तो उसके बायें गाल पर गड्ढा पड़ रहा था  
जो कि उसके व्यक्तित्व को बहुत आकर्षक बना रहा था और सबसे ज्यादा  
कातिल उसके चेहरे पर निचले होंठ के पास एक तिल था जो उसकी सुंदरता को  
चार चाँद लगा रहा था ।

पूरी कहानी यहाँ पढ़िए...





## सिनेमा हॉल में गर्लफ्रेंड और उसकी सहेली -1

हैलो दोस्तो, मेरा नाम विवान है.. आप मेरी कहानी पहले भी पढ़ चुके हैं.. मैं गुड लुकिंग हूँ.. बहुत अधिक गोरा तो नहीं हूँ पर काला भी नहीं हूँ यूँ समझ लीजिये कि गेहुँआ रंग का हूँ। मेरी उम्र 25 साल है.. 170 सेमी का कद.. लण्ड का नाप 7.5 इन्च लम्बा गोलाई में 3 इन्च मोटा है.. पूरा सीधा लण्ड है.. मेरे लौड़े का सुपारा एकदम गुलाबी है फूला हुआ है.. और सूसू का छेद कुछ बड़ा सा है।

मैंने अपने जिस्म के लिए एक साल जिम में दिया है जिससे थोड़े बहुत मसल्स और चौड़ी छाती के उभार बाहर को निकले हुए हैं। मैं मूलतः लखनऊ से हूँ.. कुछ महीनों के लिए दिल्ली में हूँ। मैं अन्तर्वासना का एक नियमित पाठक हूँ और लगभग रोज ही यहाँ पर सेक्स स्टोरी का आनन्द लेता हूँ। इसकी उन्मुक्त कहानियों को पढ़ कर न जाने कितनी ही बार हाथ से गाड़ी चला लेता हूँ।

उन सभी लेखकों को धन्यवाद जो इतनी कामुक कहानियाँ इधर लिखते हैं। आप सब लेखकों से बस ये निवेदन है कि कृपया लड़कियों के जिस्म में उभरे हुए मम्मों.. उठीं हुई गाण्डें.. लचकती कमर के वर्णन जरा खुल कर करें जिन्हें पढ़ कर लौड़ा खड़ा हो जाता है और इससे लड़कियों की छवि बनाने में आसानी होती है।

मैंने चुदाई का बहुत अनुभव लिया लिया है अब तक अठारह साल से तेईस साल तक की 12 लड़कियों.. 6 आंटियाँ.. जिनके बच्चे भी थे.. 9 अविवाहित

युवतियाँ जिनकी उम्र 23 साल से 30 साल तक की थी और 2 तलाकशुदा भाभियों को चोद चुका हूँ.. कुछ हॉस्टल गर्ल्स को भी निपटा चुका हूँ।

आज मैं आपके सामने अपनी अगली कहानी पेश कर रहा हूँ.. मेरे जीवन में बहुत से चुदाई के मौके आए और उन मौकों में मैंने चौके-छक्के भी मारे।

उनमें से ही एक कहानी आज मैं यहाँ पेश कर रहा हूँ.. पसंद आए तो काम्प्लीमेंट्स और न पसंद आए तो कम्प्लेंट्स के लिए.. मेरी ईमेल आईडी पर आप मेल कर सकते हैं.. वैसे फेसबुक पर भी आप इसी आईडी से मुझको ऐड कर सकते हैं.. विशेषकर मेरी महिला फ्रेंड्स.. उफ्फ.. उनके मम्मों के लिए मेरा बहुत सारा प्यार.. लड़कियों और महिलाओं के जिस्म में मुझे उनके भरे हुए मम्मे बहुत ही पसंद आते हैं.. और उस पर उनके निप्पल बड़े हों.. तो सोने पे सुहागा..

यह कहानी मेरी गर्लफ्रेंड की फ्रेंड प्रियंका (34c-28- 34).. यह वही प्रियंका है जिसको आपने

गर्लफ्रेंड की सहेली और थ्री-सम चुदाई

नामक मेरी दूसरी कहानी कहानी में भी देखा था। प्रियंका ने मेरे और मेरी गर्लफ्रेंड आयशा के साथ थ्री-सम का मजा लिया..

अब आगे क्या होता है.. वो कहानी के रूप में पेश कर रहा हूँ।

उस दिन थ्री-सम के बाद प्रियंका अपने कमरे में चली गई.. और मैं उसके मोबाइल से वो वीडियो डिलीट करवाना भूल गया। मैंने आयशा को इस बारे में बोला भी था.. लेकिन उसने बोला कि अब हम तीनों में क्या छुपा है.. वो खुद डिलीट कर देगी या हम दोनों की चुदाई का वीडियो देखकर अपनी चूत में

उंगली कर लिया करेगी और इस वीडियो से क्या करेगी।

तो हम दोनों ने भी अधिक ध्यान नहीं दिया.. लेकिन मुझको कुछ शक सा हो गया था। दरअसल वो दिल से चाहती ही नहीं थी कि वो उस वीडियो को डिलीट करे।

तो ऐसे ही कई दिन बीत गए.. प्रियंका के मैसेज व्हाट्सप्प में मेरे आते थे.. और हम खूब बातें भी करते थे।

यह बात मैंने अपनी गर्लफ्रेंड आयशा को भी बताया.. तो उसने बोला- तुम्हारी साली है.. झेलो अब.. चोदते समय तो बड़े मजे से चुदाई कर रहे थे.. अब क्या हुआ.. कौन सा व्हाट्सप्प से निकल कर खा जाएगी.. हम्म.. ?

पूरी कहानी यहाँ पढ़िए...

## प्रेम संग वासना : एक अनोखा रिश्ता -1

मेरा नाम साहिल है, मैं एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करता हूँ, मेरा कद 6 फीट है और मेरा रंग गेहूँआ है। मेरा शारीरिक अनुपात एक खिलाड़ी जैसा है, मेरे लिंग की लंबाई 6.5 इंच और मोटाई 2.5 इंच है।

कहने को तो यह सामान्य है मगर किसी को संतुष्ट करने के लिए प्रतिभा/अनुभव की ज़रूरत होती है न की लंबाई और मोटाई की।



दोस्तो, आज मैं आपको सुख के एक ऐसे सागर में गोते लगवाने ले जा रहा हूँ, जिसमें डूब कर आप असीमित सुख की अनुभूति करेंगे।

यह कहानी मेरे जीवन का सबसे हसीन सच है जिसे मैं अब तक भुला नहीं पाया और इस असमंजस में पड़ा रहा कि यह कहानी अन्तर्वासना पर प्रेषित करूँ या नहीं!

अंततः मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि यह कहानी अन्तर्वासना पर प्रेषित करूँ और सबके साथ अपना अनुभव बाँटूँ।

अब आपका और समय नष्ट न करते हुए मैं आपको अपनी कहानी की तरफ ले कर चलता हूँ, जो प्रेम सुख, यौन सुख और भावनाओं से ओतप्रोत है।

यह घटना आज से चार साल पहले की है जब मैं दिल्ली में एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत था, वहीं मेरी मुलाकात उससे हुई जो मेरे दिल में, मेरे दिमाग में, मेरे नसों में इस तरह समा गई कि मैं बस उसका ही होकर रह गया।

बात दिसम्बर के सर्दियों की है, जब मैं ऑफिस से निकल कर अपने बैग का इंतज़ार कर रहा था और साथ ही साथ धुएँ को अपना साथी बनाए हुए था। तभी एक बहुत ही मादक और सुरीली आवाज़ ने मुझे दस्तक दी, मैं तो एकदम स्तब्ध उसे देखते ही रह गया, क्या करिश्मा था कुदरत का, एक 23 या 24 साल की अदम्य सुंदरता की मूरत मेरे सामने खड़ी थी और शायद मुझसे कुछ पूछना चाहती थी।

मगर मेरी हालत देख कर वो भी चुपचाप वही खड़ी हो गई, हमारी चुप्पी तब टूटी जब मेरी धुएँ की डंडी ने मेरी उंगली जलाई, तब मैंने अपने आप को सामान्य किया और उससे पूछा- जी बताइये ?

वो कुछ समझ नहीं पाई और वहीं खड़ी रही, शायद वो भी मेरे साथ ही मेरे

कैब में जाने वाली थी और वो उसी के बारे में जानना चाहती थी।

खैर तभी हमारी कैब हमारे सामने आकर रुकी और हम उसमें बैठ गए, क्या संयोग था किस्मत का कि वो वहाँ भी मेरे बगल में ही बैठी थी और उसके शरीर की मादकता मुझे मदहोश कर रही थी, मैं चाह कर भी कुछ नहीं बोल पा रहा था क्योंकि कैब में और भी लोग थे और दूसरा कहीं वो बुरा न मान जाए।

मैं यह नहीं समझ पा रहा था कि यह मेरा प्रेम है उसके लिए या काम वासना! वैसे भी काम और प्रेम दोनों तो एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

उस दिन मेरा सफर इतनी जल्दी कैसे खत्म हो गया मैं समझ नहीं पाया, और कैब से उतरकर घर चला गया और दूसरे दिन का इंतज़ार करने लगा कि कब शाम हो और उससे मुलाकात हो।

पहली ही मुलाकात में उसका ऐसा नशा मुझ पे चढ़ा था कि मुझे कुछ भी अच्छा नहीं लग रहा था, बस उसी की याद आ रही थी हर पल, उसका एक एक अंग, उसकी एक एक अदा मुझे हर पल उसकी याद दिला रही थी।

पूरी कहानी यहाँ पढ़िए...





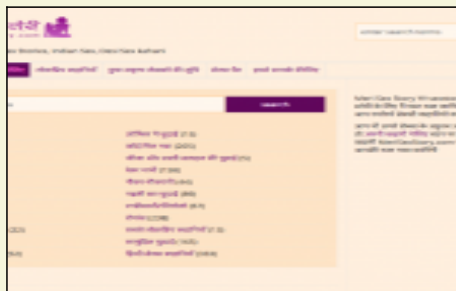
## Other sites in IPE

### Hot Arab Chat



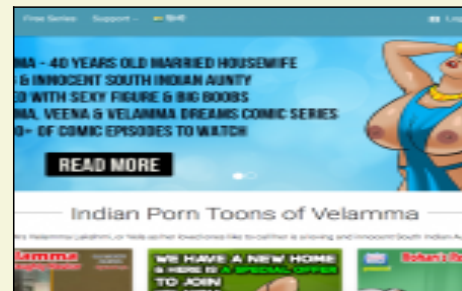
**URL:** [www.hotarabchat.com](http://www.hotarabchat.com) **CPM:** Depends on the country - around 2,5\$ **Site language:** Arabic **Site type:** Phone sex - IVR **Target country:** Arab countries  
Listing of phone sex services for Arabic speaking audience (web view).

### Meri Sex Story



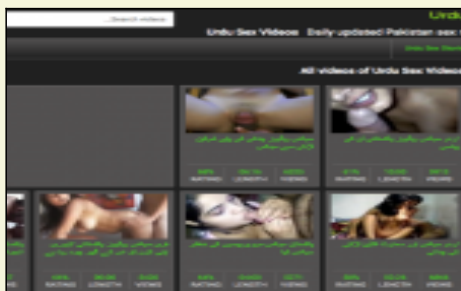
**URL:** [www.merisexstory.com](http://www.merisexstory.com) **Average traffic per day:** 12 000 GA sessions **Site language:** Hindi, Desi **Site type:** Story **Target country:** India Daily updated Hindi sex stories, Indian sex, Desi sex kahani.

### Velamma



**URL:** [www.velamma.com](http://www.velamma.com) **Site language:** English, Hindi **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven!

### Urdu Sex Videos



**URL:** [www.urduchudai.com](http://www.urduchudai.com) **Average traffic per day:** 12 000 GA sessions **Site language:** Urdu **Site type:** Video **Target country:** Pakistan Daily updated Pakistani sex movies and sex videos.

### Clipsage



**URL:** [clipsage.com](http://clipsage.com) **Average traffic per day:** 66 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India, USA

### Antarvasna Indian Sex Photos



**URL:** [antarvasnaphotos.com](http://antarvasnaphotos.com) **Average traffic per day:** 42 000 GA sessions **Site language:** Hinglish **Site type:** Photo **Target country:** India Free Indian sex photos, sexy bhabhi, horny aunty, nude girls in hot Antarvasna sex pics.